

अध्याय ~1

हिन्दी भाषा का इतिहास एवं मुख्य तथ्य

भाषा के द्वारा मनुष्य अपने भावों-विचारों को दूसरों के समक्ष प्रकट करता है तथा दूसरों के भावों-विचारों को समझता है। हिन्दी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। सामान्यतः अपभ्रंश की अन्तिम अवस्था 'अवहट्ठ' से ही हिन्दी का विकास हुआ है। हिन्दी भारतीय गणराज्य की राजकीय और मध्य भारतीय आर्य भाषा है। 'हिन्दी' शब्द का मौलिक अर्थ है- हिन्द का अर्थात् भारतीय।



हिन्दी भाषा का विकास एवं भाषा परिवार

- हिन्दी भाषा का विकास संस्कृत भाषा से हुआ है अर्थात् हिन्दी भाषा की आदि जननी संस्कृत है। संस्कृत से पालि भाषा विकसित हुई, पालि से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश, अपभ्रंश से अवहट्ठ और अवहट्ठ से हिन्दी भाषा का जन्म हुआ।
- विश्व की लगभग 3000 भाषाओं को मुख्यतः 13 भाषा परिवारों में विभाजित किया गया है। ये इस प्रकार हैं—भारोपीय (भारत-यूरोपीय), द्रविड़, चीनी, सैमेटिक, हैमेटिक, आग्नेय, यूराल-अल्टाइक, बॉटू, रैड इण्डियन, काकेशस, सूडानी, जापानी-कोरियाई तथा बुशमैन।
- भारत में 4 भाषा परिवार मिलते हैं—भारोपीय, द्रविड़, आस्ट्रिक व चीनी-तिब्बती।
- भारोपीय परिवार की भाषाएँ भारत, यूरोप तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में फैली हुई हैं। यह सबसे बड़ा भाषा परिवार है, क्योंकि भारत में भारोपीय परिवार की भाषा बोलने वालों का प्रतिशत सबसे अधिक (लगभग 73%) है। सबसे छोटा भाषा परिवार चीनी-तिब्बती (लगभग 0.7%) है।
- हिन्दी भारोपीय परिवार की भारतीय-ईरानी (Indo-Iranian) शाखा की उपशाखा भारतीय आर्य (Indo-Aryan) भाषा है।
- आकृति या रूप के आधार पर हिन्दी वियोगात्मक या विश्लिष्ट (श्लिष्ट) भाषा है।

नोट 2011 की जनगणना में भारतीय भाषाओं के आँकड़ों के अनुसार 43.63% लोगों की मातृभाषा हिन्दी है।

भारतीय आर्य भाषाएँ

भारतीय आर्य भाषाओं को तीन भाषाओं में विभाजित किया गया है

नाम	काल	उदाहरण
प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ	1500 ई. पू. से 500 ई. पू.	वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ	500 ई. पू. से 1000 ई.	पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ	1000 ई. से अब तक	हिन्दी की बोलियाँ (मराठी, बांग्ला, उड़िया आदि)

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ

- प्राचीन भारतीय आर्यभाषा का काल 1500 ई. पू. से 500 ई. पू. तक माना गया है। इस अवधि में संस्कृत बोलचाल की भाषा थी। संस्कृत भाषा के दो रूप हैं
 - वैदिक संस्कृत** (1500 ई. पू. से लगभग 1000 ई. पू.) वैदिक संस्कृत को चार भागों में विभाजित किया गया है—संहिताएँ (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद), ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद्। इसके लिए यास्क व पाणिनि द्वारा छान्दस् नाम प्रयुक्त किया गया।
 - लौकिक संस्कृत** (लगभग 1000 ई. पू. से 500 ई. पू.) पाणिनि ने इसे **संस्कृत भाषा** का नाम दिया है। पाणिनि की 'अष्टाध्यायी', वाल्मीकि की 'रामायण', वेदव्यास कृत 'महाभारत', 'पुराण' आदि की रचना लौकिक संस्कृत में ही हुई है।

मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ

मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का काल 500 ई. पू. से 1000 ई. तक का माना जाता है। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं में निम्नलिखित तीन भाषाएँ विकसित हुईं

पालि

- पालि भाषा का समय 500 ई. पू. से पहली ई. तक है। पालि को **प्रथम प्राकृत** भी कहा जाता है। यह भारत की प्रथम देश भाषा थी।
- पालि भाषा में बौद्ध साहित्य की रचना हुई है। भगवान बुद्ध के सभी उपदेश इसी भाषा में हैं। इसे **मागधी भाषा** भी कहते हैं।

प्राकृत

- पहली ई. से 500 ई. तक का समय प्राकृत भाषा का रहा। इस अवधि में **शौरसेनी, पैशाची, ब्राह्मि, महाराष्ट्री, मागधी और अर्द्धमागधी** नामक क्षेत्रीय बोलियाँ विकसित हुईं।
- प्राकृत को **द्वितीय प्राकृत** कहा जाता है। प्राकृत प्राचीन रूप से सर्वाधिक प्रचलित भाषा रही है। भगवान महावीर के सभी उपदेश प्राकृत भाषा में हैं।

अपभ्रंश

- यह भाषा मध्यकालीन आर्य भाषा की तीसरी अवस्था है। अपभ्रंश का विकास 500 ई. से 1000 ई. के मध्य में हुआ था।
- अपभ्रंश की शुरुआत 8वीं शताब्दी के कवि **स्वयंभू** के समय से मानी जाती है। इन्हें 'पउम चरित' अर्थात् राम काव्य की रचना के कारण **अपभ्रंश का वाल्मीकि** भी कहा जाता है।
- अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी के मध्य का समय **संक्रान्ति काल** कहा गया है।
- कवि धनपाल द्वारा रचित 'भविष्यत कहा' अपभ्रंश का प्रथम प्रबंध काव्य है। अपभ्रंश को रामचन्द्र शुक्ल ने प्राकृताभास तथा चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने **पुरानी हिन्दी** तथा विद्यापति ने देसिल बयना अर्थात् देशी भाषा कहा है।
- इस भाषा के प्रमुख रचनाकार विद्यापति (कीर्तिलता), रोड कवि (राउलवेल), दामोदर पण्डित (उक्ति-व्यक्ति-प्रकरण), अब्दुर रहमान (संदेश रासक) आदि हैं।
- अपभ्रंश की उत्तरकालीन अवस्था **अवहट्ट** के नाम से जानी जाती है। इसका समय 900 ई. से 1100 ई. तक माना जाता है।
- दामोदर पण्डित, अब्दुर रहमान, विद्यापति आदि ने अपनी भाषा को अवहट्ट बताया है।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ

- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का विकास अपभ्रंश के विभिन्न क्षेत्रीय स्वरूपों से हुआ है।
 - आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं को निम्नलिखित तीन भागों में विभाजित किया गया है
1. प्राचीन हिन्दी - 1100 ई.-1400 ई.
 2. मध्यकालीन हिन्दी - 1400 ई.-1850 ई.
 3. आधुनिक हिन्दी - 1850 ई. से अब तक।

अपभ्रंश से आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का विकास

अपभ्रंश के भेद	आधुनिक भारतीय आर्यभाषा
शौरसेनी अपभ्रंश	पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती
अर्द्धमागधी अपभ्रंश	पूर्वी हिन्दी (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी)
मागधी अपभ्रंश	बिहारी, बांग्ला, उड़िया और असमिया
खस अपभ्रंश	पहाड़ी
ब्राह्मि अपभ्रंश	पंजाबी, सिन्धी
महाराष्ट्री अपभ्रंश	मराठी

हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति

- वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि किसी भी प्राचीन भारतीय भाषा में 'हिन्दी' शब्द उपलब्ध नहीं है। वस्तुतः हमारी भाषा का नाम 'हिन्दी' ईरानियों की देन है। संस्कृत की स् ध्वनि फ़ारसी में ह बोली जाती है; जैसे—सप्ताह-हफ्ताह, असुर-अहुर, सिन्धु-हिन्दू आदि।
- भारतवर्ष की पश्चिमी सीमा के पास प्रसिद्ध सिन्धु नदी बहती है। ईरानी, सिन्धु को हिन्दू कहते थे। हिन्दू से हिन्द शब्द बना। कालान्तर में सिन्धु नदी के पार का सम्पूर्ण भू-भाग **हिन्द** कहा जाने लगा और हिन्द की भाषा **हिन्दी** कहलाई। अतः हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति हिन्द देश के निवासियों के अर्थ में हुई।
- मध्यकालीन अरबी तथा फ़ारसी साहित्य में भारत की संस्कृत, पालि, प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं के लिए **जबान-ए-हिन्दी** शब्द का प्रयोग मिलता है।
- हिन्दी शब्द का विकास क्रम—इस प्रकार है

सिन्धु → हिन्दु → हिन्द + ई → हिन्दी

- भारत में साहित्यिक भाषाओं—संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश से भिन्न जनसामान्य की भाषा के लिए भाषा या भाखा शब्द का प्रयोग होता था; जैसे—'संस्कीरत है कूप जल भाखा बहता नीर'—कबीर; 'लिखि भाखा चौपाई कहै'—जायसी; 'भाखा भनित मोरि मति थोरी'—तुलसी; 'भाखा बोल न जानहीं जिनके कुल के दास'—केशव इत्यादि।
- कहा जाता है कि **अमीर खुसरो** (1253-1325 ई.) ने सबसे पहले भाषा या भाखा के स्थान पर हिन्दी या हिन्दवी शब्द का प्रयोग किया। खुसरो के ही समय में हिन्दी और हिन्दवी शब्द मध्यदेश की भाषा के अर्थ में प्रचलित हो गए।
- अमीर खुसरो ने ग्यासुद्दीन तुगलक के बेटे को हिन्दी या हिन्दवी की शिक्षा देने के लिए **खालिकबारी** नामक **फ़ारसी-हिन्दी कोश** की रचना की। इस ग्रन्थ में भाषा के अर्थ में **हिन्दवी** शब्द 30 बार और **हिन्दी** शब्द 5 बार आया है।
- भाषा के लिए **हिन्दी** शब्द का प्राचीनतम प्रयोग शरफुद्दीन के **ज़फ़रनामा** (1424 ई.) में मिलता है।

खड़ी बोली हिन्दी का विकास

खड़ी बोली हिन्दी का विकास मुख्य रूप से निम्न युगों में हुआ है

भारतेन्दु पूर्व युग (1800-1850 ई.)

- भारतेन्दु युग में हिन्दी भाषा की स्वीकृति को लेकर संघर्ष था। शुद्ध खड़ी बोली (हिन्दवी) के पुराने नमूने **अमीर खुसरो** और **बन्दा नवाज़ गेसूदराज** की रचनाओं में मिलते हैं।
- हिन्दी का वास्तविक आरम्भ 1000 ई. से माना जाता है, तब से आज तक के समय को तीन कालों में विभाजित किया गया है—आदिकाल (1000 से 1400 ई. तक), मध्यकाल (1400 से 1800 ई. तक) और आधुनिक काल (1800 से अब तक)।
- हिन्दी के विकास में सर्वप्रथम **फोर्ट विलियम कॉलेज** कलकत्ता का योगदान रहा है। इसके आचार्य जॉन गिलक्राइस्ट ने भारतीय भाषाओं का अध्ययन किया। ईस्ट इण्डिया कम्पनी के प्रशासकों को हिन्दी सिखाने के लिए उन्होंने एक व्याकरण और एक शब्दकोश की रचना की।
- गिलक्राइस्ट की देख-रेख में हिन्दी में अनेक पुस्तकों के अनुवाद और मौलिक रचनाएँ भी प्रकाशित हुईं। इसी सन्दर्भ में इंशा अल्ला खाँ, लल्लू लाल, सदल मिश्र और सदासुखलाल का योगदान अविस्मरणीय है।
- इंशा अल्ला खाँ ने **रानी केतकी की कहानी** ठेठ बोलचाल की भाषा में लिखी। लल्लू लाल की 14 रचनाएँ बताई जाती हैं। **प्रेमसागर** उनकी प्रसिद्ध कृति है। सदल मिश्र ने **नासिकेतोपाख्यान** (1803 ई.), **अध्यात्मरामायण** और **रामचरित्र** की रचना की। सदासुखलाल ने अपने सहयोगियों की तुलना में कम लिखा। **सुखसागर** इनकी प्रसिद्ध रचना है।

- हिन्दी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतेन्दु पूर्व काल में हिन्दी का पहला समाचार-पत्र **उदंत मार्तण्ड** (1826 ई.) कलकत्ता से प्रकाशित हुआ। 1828 ई. में कलकत्ता से **बंगदूत** का प्रकाशन आरम्भ हुआ, जिसे 1829 ई. में सरकार ने बन्द करवा दिया।
- भारतेन्दु पूर्व युग के दो प्रसिद्ध लेखक थे—राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' तथा राजा लक्ष्मण सिंह। राजा शिव प्रसाद ने हिन्दी में उर्दू शैली का प्रयोग किया तथा राजा लक्ष्मण सिंह ने हिन्दी के विशुद्ध संस्कृतनिष्ठ रूप का समर्थन किया।
- **राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द** ने **बनारस अखबार** (1844 ई.) का प्रकाशन आरम्भ किया, इसकी भाषा **हिन्दुस्तानी** थी। इसकी उर्दू शैली के विरोध में **सुधाकर** पत्र का प्रकाशन आरम्भ हुआ। इसी क्रम में कलकत्ता से **समाचार सुधावर्षण** (1854 ई.) नामक दैनिक का प्रकाशन आरम्भ हुआ। पंजाब से नवीनचन्द्र राय ने **ज्ञान प्रकाशिनी** पत्रिका निकाली।
- राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' ने विद्यालयों के लिए अनेक पाठ्य-पुस्तकों की रचना करके हिन्दी के विकास और प्रचार में योगदान दिया।
- **राजा लक्ष्मण सिंह** ने 1861 ई. में आगरा से **प्रजाहितैषी** नामक समाचार-पत्र प्रकाशित किया। इन्होंने संस्कृत गर्भित शुद्ध हिन्दी का प्रचार-प्रसार किया।
- 'राजा लक्ष्मण सिंह' ने 'शकुन्तला नाटक' का अनुवाद **संस्कृत से खड़ी बोली** में किया।
- ईसाई पादरियों ने अपने धर्म के प्रचार के लिए हिन्दी को माध्यम बनाया, इससे हिन्दी के प्रचार-प्रसार में बड़ी सहायता मिली।
- 1817 ई. में कलकत्ता बुक सोसायटी और 1833 ई. के लगभग आगरा स्कूल बुक सोसायटी की स्थापना हुई। इससे विभिन्न विषयों की पुस्तकों का प्रकाशन हुआ।

भारतेन्दु युग (1850-1900 ई.)

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को **आधुनिकता का प्रवर्तक साहित्यकार** माना जाता है। इन्होंने हिन्दी की विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन किया। 1850 ई. से 1900 ई. तक की अवधि को भारतेन्दु युग कहते हैं।
- इस युग में हिन्दी के गद्य के बहुमुखी रूप का सूत्रपात हुआ। गद्य की रचना के लिए खड़ी बोली को माध्यम के रूप में अपनाया गया था।
- भारतेन्दु ने **राजा शिवप्रसाद** 'सितारे हिन्द' की अरबी-फ़ारसी प्रधान हिन्दी और राजा लक्ष्मण सिंह की संस्कृतनिष्ठ हिन्दी के बीच का मार्ग निकाला।
- हिन्दी खड़ी बोली के विकास में भारतेन्दु जी का योगदान **हरिश्चन्द्र मैगजीन** (1873 ई.), **हरिश्चन्द्र चन्द्रिका** और **बालाबोधिनी** (1874 ई.) पत्रिकाओं के निबन्धों में द्रष्टव्य है।
- **भारतेन्दु मण्डल** के रचनाकारों का मूलस्वर **नवजागरण** है। इसके प्रमुख रचनाकार हैं—भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, पं. प्रताप नारायण मिश्र, बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन', बालकृष्ण भट्ट, अम्बिका दत्त व्यास, राधाचरण गोस्वामी, ठाकुर जगमोहन सिंह, लाला श्रीनिवास दास, सुधाकर द्विवेदी, राधाकृष्ण आदि।
- हिन्दी के विकास में **काशीनागरी प्रचारिणी सभा** (1893 ई.) और **इण्डियन प्रेस प्रयाग** का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण है।
- नागरी प्रचारिणी सभा की प्रेरणा से **इण्डियन प्रेस प्रयाग** द्वारा जून, 1900 में **सरस्वती पत्रिका** का प्रकाशन आरम्भ हुआ। इसके प्रथम सम्पादक **चिन्तामणि घोष** थे।

द्विवेदी युग (1900-1920 ई.)

- पण्डित महावीर प्रसाद द्विवेदी वर्ष 1903 में **सरस्वती पत्रिका** के सम्पादक नियुक्त हुए। सरस्वती पत्रिका को **बीसवीं शताब्दी के आरम्भिक चरण का विश्वकोश** कहा गया है।
- वर्ष 1900 से 1920 तक की अवधि को द्विवेदी युग कहा जाता है। इस युग को **डॉ. नगेन्द्र ने जागरण सुधार काल** कहा है।
- पण्डित महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरल और शुद्ध भाषा के प्रयोग पर विशेष बल दिया। वे लेखकों/कवियों की रचनाओं की वर्तनी और व्याकरण सम्बन्धी त्रुटियों को स्वयं संशोधित कर देते थे और उन्हें शुद्ध लिखने हेतु प्रेरित करते थे।
- द्विवेदी युग के प्रमुख कवि—मैथिलीशरण गुप्त, रामचरित उपाध्याय, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', नाथूराम शर्मा 'शंकर', सियारामशरण गुप्त, महावीर प्रसाद द्विवेदी, जगन्नाथ दास रत्नाकर, राय देवी प्रसाद पूर्ण, गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही', रामनरेश त्रिपाठी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' इत्यादि हैं।

छायावाद युग (1918-1936 ई.)

- छायावाद युग को हिन्दी साहित्य में द्विवेदी युग के बाद स्थान दिया जाता है। छायावादी काव्य में 'प्रसाद जी' ने प्रकृति को मिलाया, 'निराला' ने मुक्तक छन्द दिया, 'पन्त जी' ने शब्दों को सरस बनाया एवं 'महादेवी' ने उनमें प्राण डाले।
- छायावाद युग में माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', सुभद्राकुमारी चौहान, रामधारी सिंह 'दिनकर', सोहनलाल द्विवेदी, सियारामशरण गुप्त, श्यामनारायण पाण्डेय, गुरुभक्त सिंह इत्यादि ने अन्य काव्य प्रवृत्तियों में साहित्य सृजन करके हिन्दी को समृद्ध किया।
- छायावाद युग पद्य के ही नहीं, गद्य के सन्दर्भ में भी साहित्यिक खड़ी बोली के विकास का स्वर्ण युग था।

प्रगतिवाद युग (1936-1942 ई.)

- हिन्दी साहित्य में वर्ष 1936 से 1942 तक की अवधि को प्रगतिवाद के नाम से जाना जाता है। प्रगतिवाद के आदि प्रवर्तक कार्ल मार्क्स हैं। राजनीति में जो मार्क्सवाद है, साहित्य में वही प्रगतिवाद है।
- प्रगतिवादी कवियों में सुमित्रानन्दन पन्त, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, त्रिलोचन शास्त्री, रांगेय राघव, शिवमंगल सिंह सुमन, डॉ. रामविलास शर्मा आदि हैं।

प्रयोगवाद युग (1943-1953 ई.)

- प्रयोगवाद शब्द का प्रचलन अज्ञेय द्वारा सम्पादित **तारसप्तक** से माना जाता है। अज्ञेय ने तारसप्तक के कवियों को 'राहों का अन्वेषी' कहा है। प्रयोगवाद सबसे अधिक **अस्तित्ववाद** से प्रभावित है। समकालीन समीक्षा में **अज्ञेय को अस्तित्ववादी** घोषित किया गया है।
- प्रयोगवाद युग में खड़ी बोली का काव्य भाषा में उत्तरोत्तर विकास होता गया।

नई कविता (1953 ई. से अब तक)

- नई कविता के प्रमुख तत्त्व अनुभूति की सच्चाई और बुद्धिमूलक यथार्थवादी दृष्टि है। नई कविता पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 1954 में इलाहाबाद से हुआ। इसके सम्पादक डॉ. जगदीश गुप्त थे।

- दक्षिण में राष्ट्रकूटों और यादवों का राज्य स्थापित होने पर वहाँ हिन्दी का खूब प्रचार-प्रसार हुआ। मुस्लिम साम्राज्य के विस्तार के साथ ही हिन्दी भाषा आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक आदि प्रदेशों में प्रसारित हुई।
- स्वाधीनता संग्राम आन्दोलन की भाषा हिन्दी होने से हिन्दी का पूरे देश में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ।
- हिन्दी हमारे देश की समृद्ध भाषा है। इसमें साहित्य की सभी विधाओं—नाटक, कहानी, उपन्यास, निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्टाज, यात्रा-साहित्य, पत्र-साहित्य इत्यादि में साहित्य सृजन हो रहा है।

हिन्दी के विकास से सम्बन्धित संस्थाएँ

संस्था का नाम	स्थापना वर्ष
फोर्ट विलियम कॉलेज कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)	वर्ष 1800
हिन्दी उद्धारिणी प्रतिनिधि मध्य सभा प्रयाग (उत्तर प्रदेश)	वर्ष 1884
नागरी प्रचारिणी सभा काशी (उत्तर प्रदेश)	वर्ष 1893
हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग (उत्तर प्रदेश)	वर्ष 1910
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार संस्था मद्रास (चेन्नई)	वर्ष 1915
अखिल भारतीय संगीत परिषद् बम्बई (महाराष्ट्र)	वर्ष 1919
गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद (गुजरात)	वर्ष 1920
हिन्दी विद्यापीठ देवघर (झारखण्ड)	वर्ष 1929
नागरी लिपि सुधार समिति इन्दौर (मध्य प्रदेश)	वर्ष 1935
प्रगतिशील लेखक संघ लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	वर्ष 1936
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा (महाराष्ट्र)	वर्ष 1936
असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति गुवाहाटी (असम)	वर्ष 1938
बम्बई हिन्दी विद्यापीठ बम्बई (महाराष्ट्र)	वर्ष 1938
इण्डियन पीपुल्स थियेटर एसोसिएशन बम्बई (महाराष्ट्र)	वर्ष 1942
राष्ट्रभाषा परिषद् पुणे (महाराष्ट्र)	वर्ष 1945
देवनागरी लिपि सुधार समिति (उत्तर प्रदेश)	वर्ष 1947
बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना (बिहार)	वर्ष 1951
हिन्दी साहित्य अकादमी (नई दिल्ली)	वर्ष 1953
संगीत नाटक अकादमी (नई दिल्ली)	वर्ष 1953
नेशनल बुक ट्रस्ट (नई दिल्ली)	वर्ष 1957
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (नई दिल्ली)	वर्ष 1959
नागरी लिपि परिषद् (नई दिल्ली)	वर्ष 1975
महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा (महाराष्ट्र)	वर्ष 1997

हिन्दी की उपभाषाएँ, बोलियाँ और उनके क्षेत्र

- एक छोटे क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा **बोली** कहलाती है। बोली में साहित्य रचना नहीं होती।
- यदि किसी बोली में साहित्य रचना होने लगती है और क्षेत्र का विस्तार हो जाता है, तो वह बोली न रहकर **उपभाषा** कहलाने लगती है।
- जब किसी उपभाषा को साहित्यकार अपने साहित्य के द्वारा एक निश्चित व सर्वमान्य रूप प्रदान कर देते हैं तथा उसका क्षेत्र और विस्तृत हो जाता है, तो वह **भाषा** कहलाने लगती है। एक भाषा के अन्तर्गत कई उपभाषाएँ और एक उपभाषा के अन्तर्गत कई बोलियाँ होती हैं।
- **विभाषा** का क्षेत्र बोली की अपेक्षा अधिक फैला होता है। यह एक क्षेत्र या प्रान्त में प्रचलित होती है। हिन्दी की महत्वपूर्ण विभाषाएँ ब्रजभाषा, अवधी, बघेली, खड़ी बोली, भोजपुरी आदि हैं।

हिन्दी क्षेत्र की सम्पूर्ण बोलियों को पाँच भागों में वर्गीकृत किया गया है, जो निम्न हैं

1. पश्चिमी क्षेत्र
2. पूर्वी क्षेत्र
3. राजस्थानी क्षेत्र
4. पहाड़ी क्षेत्र
5. बिहार क्षेत्र

पश्चिमी क्षेत्र में हिन्दी की पाँच बोलियाँ

पश्चिमी क्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दी की पाँच बोलियाँ आती हैं

खड़ी बोली/कौरवी

- खड़ी बोली का उद्भव शौरसेनी अपभ्रंश के उत्तरी रूप से हुआ है। खड़ी बोली का मूल नाम **कौरवी** था, जो साहित्यिक भाषा में बदल जाने के कारण खड़ी बोली हो गया। इसका नामकरण लल्लू लाल जी ने **प्रेमसागर** (1803 ई.) की भूमिका में किया।
- इस भाषा के अन्य नाम सरहिन्दी, वर्नाक्यूलर, बोलचाल की हिन्दुस्तानी आदि हैं।
- खड़ी बोली का क्षेत्र देहरादून का मैदानी भाग, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, दिल्ली का कुछ भाग, बिजनौर, रामपुर तथा मुरादाबाद हैं। मेरठ की खड़ी बोली को आदर्श एवं मानक खड़ी बोली माना जाता है।
- खड़ी बोली के लिए सुनीतिकुमार चटर्जी ने 'जनपदीय हिन्दुस्तानी' शब्द का प्रयोग किया। खड़ी बोली **आकार बहुला** है।
- मूल कौरवी में लोककथा, गीत, पहेली, गीत-नाटक आदि लोक साहित्य उपलब्ध हैं।

ब्रजभाषा

- ब्रजभाषा का विकास **शौरसेनी** अपभ्रंश के मध्यवर्ती रूप से हुआ है।
- इसका मुख्य केन्द्र **मथुरा** है। अन्य क्षेत्रों; जैसे—आगरा, अलीगढ़, धौलपुर, मैनपुरी, एटा, बदायूँ, बरेली तथा उनके आस-पास के क्षेत्रों में भी यह बोली जाती है।
- ब्रजभाषा साहित्य और लोक साहित्य दोनों दृष्टियों से बहुत सम्पन्न है। यह **कृष्ण भक्ति काव्य** की एकमात्र भाषा है।
- ब्रजभाषा की उत्पत्ति शौरसेनी अपभ्रंश से हुई है। भक्तिकाल तथा रीतिकाल दोनों में रचनाएँ मुख्यतः ब्रजभाषा में ही हुई हैं।
- सम्पूर्ण रीतिकालीन साहित्य ब्रजभाषा में लिखा गया है। साहित्यिक दृष्टि से यह हिन्दी भाषा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण बोली है।
- ब्रजभाषा तथा ब्रजबुलि दो अलग-अलग भाषाएँ हैं। ब्रजबुलि का प्रयोग मिथिला, बंगाल, असम तथा उड़ीसा (ओडिशा) के कृष्ण भक्त रचनाएँ करने के लिए करते थे। ब्रजबुलि को 'पुरानी बांग्ला' के नाम से भी जाना जाता है।
- साहित्यिक महत्त्व के कारण ही इसे ब्रजबोली नहीं, **ब्रजभाषा** कहा जाता है। सूरदास, नन्ददास, रहीम, रसखान, बिहारी, मतिराम, भूषण, देव, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जगन्नाथ दास (रत्नाकर) इत्यादि ब्रजभाषा के अमर कवि हैं।
- तुलसीदास जी ने भी अपनी कुछ रचनाएँ ब्रजभाषा में की हैं; जैसे—कवितावली, विनयपत्रिका आदि।
- ब्रजभाषा देश के बाहर ताजुबेकिस्तान में भी बोली जाती है, जिसे 'ताजुबेकी ब्रजभाषा' कहा जाता है।

बाँगरू/हरियाणवी

- बाँगरू या हरियाणवी का विकास शौरसेनी अपभ्रंश के पश्चिमी रूप से हुआ है।
- इसका क्षेत्र **हरियाणा** तथा **दिल्ली** का देहाती भाग है। हरियाणवी भाषा **आकार बहुला** है।

बुन्देली

- बुन्देली का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। इसका क्षेत्र झाँसी, जालौन, हमीरपुर, ग्वालियर, ओरछा, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी, होशंगाबाद तथा उनके आस-पास के क्षेत्र हैं। बुन्देली भाषा **ओकार बहुला** है।
- केशवदास, पद्माकर, भूषण, लालकवि, गंगाधर व्यास, जगनिक आदि प्रमुख बुन्देली कवि रहे हैं।

कन्नौजी

- कन्नौजी का भी विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। इसके क्षेत्र इटावा, फर्रुखाबाद, शाहजहाँपुर, कानपुर, हरदोई, पीलीभीत हैं। कन्नौजी भाषा **ओकार बहुला** है।
- चिंतामणि, नीलकण्ठ, मतिराम आदि कवियों ने कन्नौजी और ब्रजभाषा में रचनाएँ लिखीं।

पूर्वी क्षेत्र में हिन्दी की तीन बोलियाँ

पूर्वी क्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दी की निम्नलिखित तीन बोलियाँ आती हैं

अवधी

- अवधी भाषा का उद्भव अर्द्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। इसका मुख्य केन्द्र **अयोध्या/अवध** है। इसे 'कोसली' के नाम से भी जाना जाता है।
- इसके अतिरिक्त यह लखनऊ, इलाहाबाद, फतेहपुर, मिर्जापुर (अंशतः), उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, खीरी, फैजाबाद, गोण्डा, बस्ती, बहराइच, बाराबंकी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ आदि क्षेत्रों में बोली जाती है।
- **सूफी काव्य** तथा **रामभक्ति काव्य** की रचना अवधी में हुई है। मुल्ला दाऊद (चंदायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती), जायसी (पद्मावत), तुलसीदास (रामचरितमानस), उसमान (चित्रावली), रघुनाथ दास, राम सनेही आदि इसके प्रमुख कवि थे।
- अवधी में लिखा गया प्रसिद्ध ग्रन्थ तुलसीदास द्वारा रचित 'रामचरितमानस' है। भारत के बाहर फिजी में अवधी बोलने वालों की संख्या अधिक है। अवधी की पहली रचना 'चंदायन' (1370) को माना जाता है।

बघेली

- बघेली का उद्भव अर्द्धमागधी अपभ्रंश के ही एक क्षेत्रीय रूप से हुआ है। इसके क्षेत्र रीवा, सतना, शहडोल, मैहर और उसके आस-पास के क्षेत्र हैं।

छत्तीसगढ़ी

- छत्तीसगढ़ी का उद्भव अर्द्धमागधी अपभ्रंश के दक्षिणी रूप से हुआ है। इसके क्षेत्र सरगुजा, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़, खैरागढ़, रायपुर, दुर्ग, राजनन्दगाँव, कांकेर आदि हैं।

राजस्थानी क्षेत्र में हिन्दी की चार बोलियाँ

राजस्थानी क्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दी की चार बोलियाँ आती हैं

- **पश्चिमी राजस्थानी** (मारवाड़ी) का उद्भव शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। इसके क्षेत्र जोधपुर, मेवाड़, सिरोंही, जैसलमेर, बीकानेर आदि हैं।
- **पूर्वी राजस्थानी** (जयपुरी या ढूँढाड़ी) इसके क्षेत्र जयपुर, अजमेर, किशनगढ़ आदि हैं।

- **उत्तरी राजस्थानी** (मेवाती) यह अलवर, गुड़गाँव, भरतपुर तथा उसके आस-पास बोली जाती है। इसकी एक मिश्रित बोली **अहीरवाटी** है, जो गुड़गाँव, दिल्ली तथा करनाल के पश्चिमी क्षेत्रों में बोली जाती है।
- **दक्षिणी राजस्थानी** (मालवी) यह इन्दौर, उज्जैन, देवास, रतलाम, भोपाल, होशंगाबाद तथा उसके आस-पास बोली जाती है।

पहाड़ी क्षेत्र में हिन्दी की दो बोलियाँ

पहाड़ी क्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दी की बोलियाँ आती हैं

- **पश्चिमी पहाड़ी** जौनसार, सिरमौर, शिमला, मण्डी, चम्बा के आस-पास क्षेत्र में बोली जाती है।
- **मध्यवर्ती पहाड़ी** कुमाऊँनी तथा गढ़वाली क्रमशः कुमाऊँ, गढ़वाल (उत्तराखण्ड) क्षेत्र में बोली जाती है।

बिहार क्षेत्र में हिन्दी की तीन बोलियाँ

बिहार क्षेत्र के अन्तर्गत हिन्दी की तीन बोलियाँ आती हैं, जो निम्नलिखित हैं

मगही

- मगही, मागधी अपभ्रंश से विकसित हुई है। यह पटना, गया, पलामू, हजारीबाग, मुंगेर, भागलपुर और इसके आस-पास बोली जाती है।

भोजपुरी

- भोजपुरी मागधी अपभ्रंश के पश्चिमी रूप से विकसित हुई है। इसका मुख्य केन्द्र **भोजपुर** (बिहार) है।
- इसके अन्य प्रयोग क्षेत्र बनारस, जौनपुर, मिर्जापुर, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, बस्ती, शाहाबाद, चम्पारण, सारन आदि हैं।
- हिन्दी क्षेत्र की बोलियों में भोजपुरी बोलने वाले सर्वाधिक हैं। भोजपुरी अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की बोली है। भारत के अतिरिक्त सूरीनाम, फिजी, मॉरिशस, गुयाना, त्रिनिदाद में इस बोली का प्रसार है।
- भोजपुरी में लिखित साहित्य अत्यन्त कम है। इसके रचनाकार **भिखारी ठाकुर** को **भोजपुरी का शेक्सपियर** तथा **भोजपुरी का भारतेन्दु** कहा जाता है।
- भिखारी ठाकुर के अतिरिक्त महेन्द्र मिश्रा इस बोली के मुख्य साहित्यकार हैं। इन्हें पूर्वी गीतों का जनक, पूर्वी गीतों का सम्राट कहा जाता है। इनकी रचना 'अपूर्व रामायण' **भोजपुरी का प्रथम महाकाव्य** है, इसलिए इन्हें भोजपुरी का प्रथम महाकवि भी माना जाता है। इनकी अन्य महत्त्वपूर्ण रचनाएँ महेन्द्र मंजरी, कजरी संग्रह, मेघनाथ वध, महेन्द्र दिवाकर आदि हैं।
- भोजपुरी बोली हिन्दी भाषा की वह बोली है, जिसमें **सर्वाधिक क्षेत्रीय हिन्दी फिल्म** बनती है।

मैथिली

- मैथिली मागधी अपभ्रंश के मध्यवर्ती रूप से विकसित हुई है। इसकी लिपि तिरहुता व देवनागरी है। इसका मुख्य केन्द्र **मिथिला** है। यह 8वीं अनुसूची में हिन्दी क्षेत्र की बोलियों में से एकमात्र बोली है।
- इसके अतिरिक्त यह दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मुंगेर और इसके आस-पास के क्षेत्र में बोली जाती है। मगही तथा मैथिली लोक साहित्य की दृष्टि से बहुत सम्पन्न भाषाएँ हैं।
- मैथिली में साहित्य रचना प्राचीनकाल से होती आई है। विद्यापति (पदावली) ने मैथिली को चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया। इसके अतिरिक्त नागार्जुन, गोविन्द दास, रणजीत लाल, हरिमोहन झा, राजकमल चौधरी 'स्वरंग' मैथिली के प्रमुख साहित्यकार हैं।

उपभाषाएँ, बोलियाँ व उनके मुख्य क्षेत्र

उपभाषाएँ एवं बोलियाँ मुख्य क्षेत्र	
1. पश्चिमी हिन्दी	
i. खड़ी बोली/कौरवी	देहरादून, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, दिल्ली का कुछ भाग, बिजनौर, मुरादाबाद आदि।
ii. ब्रजभाषा	आगरा, मथुरा, अलीगढ़, धौलपुर, एटा, बदायूँ।
iii. बाँगरू या हरियाणवी	हरियाणा, दिल्ली का देहाती भाग।
iv. बुन्देली	झाँसी, जालौन, हमीरपुर, ग्वालियर, हौशंगाबाद
v. कन्नौजी	इटावा, फर्रुखाबाद, शाहजहाँपुर, कानपुर, हरदोई, पीलीभीत।
2. पूर्वी हिन्दी	
i. अवधी	लखनऊ, इलाहाबाद, फतेहपुर, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर, फैजाबाद, गोण्डा, बस्ती।
ii. बघेली	रीवा, सतना, शहडोल, मैहर और उसके आस-पास का क्षेत्र।
iii. छत्तीसगढ़ी	सरगुजा, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़, रायपुर, दुर्ग।
3. राजस्थानी	
i. मारवाड़ी (पश्चिमी राजस्थानी)	जोधपुर, मेवाड़, सिराही, जैसलमेर, बीकानेर
ii. जयपुरी या ढूँढाड़ी (पूर्वी राजस्थानी)	जयपुर, अजमेर, किशनगढ़
iii. मेवाती (उत्तरी राजस्थानी)	अलवर, गुड़गाँव, भरतपुर और उसके आस-पास का क्षेत्र
iv. मालवी (दक्षिणी राजस्थानी)	झुँझार, उज्जैन, देवास, रतलाम, भोपाल, होशंगाबाद तथा उसके आस-पास का क्षेत्र
4. पहाड़ी	
i. कुमाऊँनी	कुमाऊँ
ii. गढ़वाली	गढ़वाल
5. बिहारी	
i. मगही	पटना, गया, पलामू, हजारीबाग, मुंगेर, भागलपुर
ii. भोजपुरी	बनारस, जौनपुर, मिर्जापुर, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़
iii. मैथिली	दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मुंगेर और इसके आस-पास का क्षेत्र

मध्यान्तर प्रश्नावली

- हिन्दी भाषा का प्रादुर्भाव किस भाषा से हुआ?
(a) पालि (b) संस्कृत (c) अपभ्रंश (d) प्राकृत
- भारतीय आर्य भाषाओं को कितनी भाषाओं में विभाजित किया गया है?
(a) तीन (b) चार (c) पाँच (d) दो
- प्राचीन भारतीय आर्य भाषा के अन्तर्गत कौन-सी भाषा आती है?
(a) वैदिक संस्कृत (b) लौकिक संस्कृत
(c) अवहट्ठ (d) 'a' तथा 'b' दोनों
- बौद्ध साहित्य की रचना किस भाषा से हुई?
(a) संस्कृत (b) प्राकृत
(c) पालि (d) अपभ्रंश
- मध्यकालीन आर्य भाषा की तीसरी अवस्था कौन-सी है?
(a) प्राकृत (b) पालि
(c) संस्कृत (d) अपभ्रंश

6. भोजपुरी बोली का क्षेत्र है

- (a) पटना (b) दरभंगा (c) बनारस (d) पूर्णिया

7. शौरसेनी अपभ्रंश से किसका विकास हुआ है?

- (a) अवधी (b) उड़िया (c) बघेली (d) राजस्थानी

8. हिन्दी किस भाषा-परिवार की भाषा है?

- (a) ऑस्ट्रिक (b) द्रविड़
(c) भारोपीय (d) चीनी-तिब्बती

9. निम्नलिखित में से कौन-सा भाषा परिवार सबसे बड़ा है?

- (a) चीनी-तिब्बती (b) ऑस्ट्रिक
(c) द्रविड़ (d) भारोपीय

10. निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले भाषा के स्थान पर हिन्दी या हिन्दवी शब्द का प्रयोग किया?

- (a) कबीर (b) तुलसीदास
(c) अमीर खुसरो (d) शरफुद्दीन

उत्तरमाला

1. (b) 2. (a) 3. (d) 4. (c) 5. (d)
6. (c) 7. (d) 8. (c) 9. (d) 10. (c)

राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास

- जिस भाषा में शासन का कामकाज सम्पादित होता है, उसे राजभाषा कहते हैं। अशोक के समय में पालि राजभाषा थी।
- राजस्थान में ग्यारहवीं से पन्द्रहवीं शताब्दी के मध्य पुरालेखों से पता चलता है कि उस समय हिन्दी मिश्रित संस्कृत राजभाषा थी।
- मुहम्मद गोरी से लेकर अकबर तक हिन्दी राजभाषा थी। अकबर के शासनकाल में मन्त्री टोडरमल के आदेश से फ़ारसी राजभाषा घोषित की गई।
- ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने 1833 ई. तक फ़ारसी को राजभाषा बनाए रखा।
- ब्रिटिश शासन में लॉर्ड मैकाले के प्रयास से अंग्रेज़ी राजभाषा के पद पर सुशोभित हुई।
- राष्ट्रीय चेतना के विकास के साथ ही हिन्दी को राजभाषा और राष्ट्रभाषा बनाने की अत्यधिक माँग उठी।
- हिन्दी को राजभाषा बनाने का विचार सर्वप्रथम बंगाल में उदित हुआ।
- भारतवर्ष के लिए हिन्दी भाषा का नाम सबसे पहले पं. मदनमोहन मालवीय ने सुझाया।
- पं. मदनमोहन मालवीय के सतत प्रयत्नों से वर्ष 1901 में संयुक्त प्रान्त की कचहरी की भाषा के रूप में हिन्दी को उर्दू के समान अधिकार मिला।
- संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव गोपाल स्वामी आचर्य ने प्रस्तुत किया।
- भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर, 1949 को मान्यता प्रदान की गई। इसलिए 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार, संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है। संविधान के अनुच्छेद 344 में राजभाषा सम्बन्धी आयोग और संसद की समिति का उल्लेख है।
- संविधान के अनुच्छेद 344(1) के अनुसार, राष्ट्रपति ने 7 जून, 1955 को राजभाषा आयोग के गठन का आदेश जारी किया।

- संविधान के अनुच्छेद 344(4) के अनुसार, राजभाषा आयोग की सिफारिशों की जाँच के लिए 30 सदस्यों की एक समिति गठित की गई, जिसमें लोकसभा के 20 तथा राज्यसभा के 10 सदस्य थे।
- राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष **बाल गंगाधर खरे** थे। आयोग की प्रथम बैठक 15 जुलाई, 1955 को हुई थी।
- संविधान का अनुच्छेद 345 राज्य में प्रयुक्त होने वाली भाषाओं में किसी एक या अनेक या हिन्दी को शासकीय प्रयोजनों के लिए अंगीकृत करने से सम्बन्धित है।
- संविधान के अनुच्छेद 346 के अनुसार, एक राज्य तथा दूसरे राज्य के मध्य तथा राज्य व संघ के मध्य संचार की भाषा वही होगी, जो उस समय संघ की राजभाषा होगी।
- संविधान के अनुच्छेद 347 में किसी राज्य की जनसंख्या को किसी भाग द्वारा बोली जाने वाली भाषा के सम्बन्ध में विशेष उपबन्ध उल्लिखित हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 348 में उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों में और अधिनियमों, विधेयकों आदि के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा का उल्लेख है।
- संविधान के अनुच्छेद 349 में भाषा सम्बन्धी विधियों को अधिनियमित करने के लिए विशेष प्रक्रिया का उल्लेख है।
- संविधान के अनुच्छेद 350 में शिकायतों को दूर करने के लिए अभ्यावेदन में प्रयोग की जाने वाली भाषा का उल्लेख है।
- संविधान के अनुच्छेद 350(क) में प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की तथा अनुच्छेद 350(ख) अल्पसंख्यक वर्ग का उल्लेख है।
- संविधान की अष्टम सूची [अनुच्छेद 344 (1) और 351] में 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं।

आठवीं सूची में सम्मिलित 22 भाषाएँ

- आरम्भ में 14 भाषाओं को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित किया गया, जो निम्न हैं
(1) असमिया (2) बांग्ला (3) गुजराती (4) हिन्दी (5) कन्नड़ (6) कश्मीरी (7) मलयालम (8) मराठी (9) उड़िया (10) पंजाबी (11) संस्कृत (12) तमिल (13) तेलुगू (14) उर्दू।
- 21वें संशोधन** के अन्तर्गत वर्ष 1967 में सिन्धी भाषा (15) को सम्मिलित किया गया।
- 71वें संशोधन** के अन्तर्गत वर्ष 1992 में कोकणी (16), मणिपुरी (17) तथा नेपाली (18) भाषाओं को सम्मिलित किया गया।
- 92वें संशोधन** के अन्तर्गत वर्ष 2003 में बोडो (19), डोगरी (20), मैथिली (21) तथा संथाली (22) भाषाओं को सम्मिलित किया गया।
- संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देशों का उल्लेख है।
- भारत की राजभाषा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी दोनों हैं, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 120 की धारा 1 भाग 17 के अनुसार, अनुच्छेद 348 के उपबन्धों के अधीन संसद का कार्य हिन्दी या अंग्रेज़ी में किया जाता है। संविधान में आश्वासन दिया गया था कि वर्ष 1965 से सारा कामकाज हिन्दी में होगा, परन्तु सरकारी नीतियों के कारण ऐसा न हो सका।
- वर्ष 1963 और वर्ष 1967 में राजभाषा अधिनियम द्वारा हिन्दी के साथ ही अंग्रेज़ी को सदा के लिए राजभाषा बना दिया गया।

राजभाषा के विकास से सम्बन्धित संस्थाएँ

संस्था का नाम	स्थापना वर्ष
प्रकाशन विभाग (सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1944
फिल्म प्रभाग (सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1948
साहित्य अकादमी, नई दिल्ली	वर्ष 1954
पत्र सूचना कार्यालय (सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1956
आकाशवाणी (सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1957
नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली	वर्ष 1957
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली	वर्ष 1960
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली	वर्ष 1961
राजभाषा विधायी आयोग (गृह मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1965-75
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो (गृह मन्त्रालय के अधीन) (देश में अनुवाद की सबसे बड़ी संस्था), नई दिल्ली	वर्ष 1971
राजभाषा विभाग (गृह मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1975
राजभाषा विधायी आयोग (कानून मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1975
दूरदर्शन (सूचना एवं प्रसारण मन्त्रालय के अधीन), नई दिल्ली	वर्ष 1976

भारतीय हिन्दी परिषद्

- भारतीय हिन्दी परिषद् की स्थापना इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने वर्ष 1942 में इस संस्था की नींव रखी थी। इसकी स्थापना हिन्दी के प्राध्यापकों, साहित्यकारों और मर्मज्ञों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से हुई थी।
- भाषा के सर्वांगीण मानकीकरण को सबसे पहले इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग ने ही उठाया था।
- भारतीय हिन्दी परिषद् के मुख्य सदस्य थे—डॉ. हरदेव बाहरी, डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा, डॉ. माता प्रसाद गुप्त आदि।
- इनमें धीरेन्द्र वर्मा ने 'देवनागरी लिपि चिह्नों में एकरूपता', हरदेव बाहरी ने 'वर्ण विन्यास की समस्या', ब्रजेश्वर शर्मा ने 'हिन्दी व्याकरण' तथा माता प्रसाद गुप्त ने 'हिन्दी शब्द-भंडार' का स्थिरीकरण विषय पर अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किए।

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय

- केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की स्थापना 1 मार्च, 1960 को हुई।
- इसके कार्यों में हिन्दी भाषा के कोशों का संकलन करना और उसका प्रकाशन करना, देवनागरी लिपि एवं हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण करना है।
- केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय ने लिपि के मानकीकरण पर अधिक ध्यान दिया और 'देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण' (1983) का प्रकाशन किया।

हिन्दी भाषा की लिपि : देवनागरी

- प्रत्येक भाषा की अपनी एक लिपि होती है, जिसमें उस भाषा को लिखा जाता है। लिपि का आधार लिखित संकेत होते हैं। लिपि दृष्टिगोचर होती है।
- हिन्दी की लिपि 'देवनागरी', अंग्रेज़ी की 'रोमन', उर्दू की 'फ़ारसी' तथा पंजाबी की 'गुरुमुखी' है। भारत की प्राचीन लिपियों में सिन्धु घाटी की लिपि, खरोष्ठी लिपि और ब्राह्मी लिपि प्रसिद्ध हैं। सिन्धु घाटी की लिपि चित्राक्षर तथा कुछ ध्वन्याक्षर थी। देवनागरी लिपि का आविष्कार **ब्राह्मी लिपि** से हुआ।
- देवनागरी लिपि का सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जयभट्ट के एक शिलालेख में हुआ है।

- गुजरात में सर्वप्रथम प्रचलित होने से वहाँ के पण्डित वर्ग अर्थात् नागर ब्राह्मणों के नाम से इसे **नागरी** कहा गया।
- यह लिपि हिन्दी प्रदेश के अतिरिक्त महाराष्ट्र व नेपाल में प्रचलित है।
- देवभाषा संस्कृत में इसका प्रयोग होने से इसके साथ 'देव' शब्द जुड़ गया। देवताओं की उपासना के लिए जो संकेत बनाए जाते थे, उन्हें देवनगर कहते थे। वे संकेत लिपि के समान थे, वहीं से इसे 'देवनागरी' कहा जाने लगा।
- देवनागरी लिपि **बायीं ओर से दायीं ओर लिखी जाती है**, जबकि फ़ारसी लिपि (उर्दू, अरबी भाषा की लिपि) दायीं से बायीं ओर लिखी जाती है।
- देवनागरी **अक्षरात्मक** लिपि है, जबकि रोमन लिपि वर्णनात्मक लिपि है।
- देवनागरी लिपि को **लोक नगरी एवं हिन्दी लिपि** भी कहा जाता है।

देवनागरी लिपि में किए गए सुधार

- सर्वप्रथम **महादेव गोविन्द रानाडे** ने लिपि सुधार समिति का गठन किया।
- **काका कालेलकर** ने 'अ' की बारहखड़ी का सुझाव दिया तथा स्वर ध्वनियों की संख्या को कम कर दिया गया; जैसे—अ, आ, इ, ए, ओ, औ, अ, आ, इ, ए, ओ, औ।
- डॉ. श्यामसुन्दर दास ने पंचमाक्षर के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करने का सुझाव दिया, जैसे—हिन्दी-हिंदी, कण्ठ-कंठ।
- श्रीनिवास का सुझाव था कि महाप्राण ध्वनियों के स्थान पर अल्पप्राण ध्वनियाँ सम्मिलित कर उनके नीचे कोई चिह्न लगाकर प्रयोग किया जाए।
- हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग (5 अक्टूबर, 1941) ने लिपि सुधार हेतु एक बैठक की, जिसमें मात्राओं को उच्चारण क्रम में लगाने तथा छोटी 'इ' की मात्रा को व्यंजन के आगे लगाने का सुझाव प्रस्तुत किया।
- वर्ष 1947 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित समिति की अध्यक्षता नरेन्द्र देव ने की, जिसमें निम्न सुझाव प्रस्तुत किए गए
 - 'अ' की बारहखड़ी भ्रामक है।
 - मात्राएँ यथास्थान रहें, परन्तु उन्हें थोड़ा दाहिनी ओर लिखा जाए।
 - पंचमाक्षर के स्थान पर अनुस्वार (ँ) से काम चलाया जाए।
 - दो प्रकार से लिखे जाने वाले अक्षरों में निम्न अक्षरों को स्वीकार किया जाए—अ, इ, ए, ध, भ, ल
 - संयुक्त वर्णों क्ष, त्र, ज्ञ, श्र को वर्णमाला में स्थान दिया जाए।

उपर्युक्त सुझावों में कुछ परिवर्तन कर इन्हें स्वीकार कर लिया गया है। समय-समय पर इसमें सुधार होते रहे हैं। फ़ारसी की क़, ख़, ग़, ज़, फ़ ध्वनियाँ भी सम्मिलित कर ली गई हैं तथा कुछ अंग्रेज़ी के शब्दों को भी सम्मिलित किया गया है।

देवनागरी लिपि का मानकीकरण

देवनागरी लिपि विश्व की अन्य लिपियों की तुलना में वैज्ञानिक है। किसी भी लिपि के आदर्श होने के लिए निम्नलिखित शर्तें होनी अनिवार्य हैं

- वह लिपि दुनिया की किसी भी भाषा को अन्तरित करने की क्षमता रखती हो।
- प्रत्येक ध्वनि के लिए स्वतन्त्र वर्ण प्रतीक हो।
- किसी वर्ण प्रतीक से एक से अधिक ध्वनि उच्चरित न हो।
- शब्दों को लेकर लिपि अर्थभेद न हो।
- उस लिपि में भ्रमण्डल की लिपि होने की अर्हता हो।

उक्त तथ्यों के आधार पर देवनागरी लिपि में इस प्रकार की जटिलताएँ बहुत कम हैं। भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय ने वर्ष 1961 में एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की, जिसने अप्रैल, 1962 में हिन्दी के वर्तनी-सम्बन्धी निम्नलिखित नियम दिए

- शिरोरेखा के प्रयोग को अनिवार्य कर देना चाहिए। इससे वर्णों के बीच भेद किया जा सकेगा। शिरोरेखा के अभाव में ध-घ, ख-व, र-व, म-भ का अन्तर स्पष्ट नहीं हो पाता।
- ध्वनियों के उच्चारण में एकरूपता अति आवश्यक है। इस लिपि के वर्णों की द्विरूपता को समाप्त कर देना चाहिए; जैसे—अ श्र, रा ण, झ फ, ल क्त, त त्र आदि।
- संयुक्त वर्णों का प्रयोग संयोग, लेखन व उच्चारण लाघवता व तीव्रता को दर्शाता है। इसे भी बनाए रखा जाए; जैसे—क्ष, त्र, ज्ञ।
- वर्णों को संयुक्त करने की प्रक्रिया चाहे आस-पास हो या ऊपर-नीचे दोनों ही स्थितियों में वैज्ञानिक है; जैसे—मिट्टी-मिट्टी, लट्ठ-लट्ठ।
- 'र' ध्वनि के चारों प्रयोग वस्तुतः अलग-अलग न होकर 'र' के कोणीय परिवर्तन मात्र हैं। इनका प्रयोग हूबहू किया जाए। 'र' का चौथा प्रयोग (ँ) मूर्धन्य वर्णों में किया जाता है। राष्ट्र, ट्रक, ड्रम, टुण्डा आदि।
- संज्ञा शब्दों के अन्त में 'ई' का प्रयोग होना चाहिए 'यी' का नहीं; जैसे—भलाई, पिटाई, कमाई, पढ़ाई आदि।
- नासिक ध्वनियों एवं उनमें प्रयुक्त वर्ण प्रतीकों के संयोग को लेकर यदि सजग रहा जाए तो इनमें से किसी प्रयुक्त को हटाने की आवश्यकता नहीं है। ये सभी प्रतीक एक-दूसरे से अलग व अर्थभेदक हैं। नासिक वर्णों को अनुस्वार तथा अनुनासिक में बाँटा जाता है। अनुस्वार ध्वनियों के उच्चारण में नाक की भूमिका होती है, जबकि अनुनासिक ध्वनियों के उच्चारण में नाक व मुख दोनों का सहयोग होता है।
- अनुस्वार ध्वनियों के उच्चारण में बिन्दी या बिन्दु के प्रतीक का उपयोग होता है तथा अनुनासिक ध्वनियों के लिए अर्द्धचन्द्र बिन्दु (ँ) का प्रयोग होता है।
- अनुस्वार ध्वनियाँ प्रत्येक वर्ण के पंचमाक्षरों के रूप में ही जानी जाती हैं, जबकि अनुनासिक ध्वनियाँ अलग-अलग होती हैं। अनुस्वार ध्वनियों या पंचमाक्षरों के लिए प्रतिस्थापक प्रतीक बिन्दी या बिन्दु के अतिरिक्त कहीं-कहीं अर्द्धपंचमाक्षर का प्रयोग भ्रम का कारण हो सकता है, परन्तु यह प्रयोग वैज्ञानिक है।

हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप

- हिन्दी विश्व की महान् भाषाओं में से एक है। जनसंख्या की दृष्टि से **चीनी** और **अंग्रेज़ी** के बाद संसार में हिन्दी बोलने वालों की संख्या सर्वाधिक है।
- प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है।
- सोवियत संघ, अमेरिका, जापान, इंग्लैण्ड, पोलैण्ड, चेकोस्लोवाकिया, रूमानिया, फ्रांस, अफ्रीका इत्यादि देशों में अन्य भाषा के रूप में हिन्दी अध्यापन के प्रति रुचि बढ़ रही है।
- फिजी, मॉरिशस, नेपाल, सूरीनाम, त्रिनिदाद, म्यांमार आदि देशों में हिन्दी की अनेक पत्रिकाएँ प्रकाशित हो रही हैं। म्यांमार में ब्रह्मदेश नामक पत्रिका विगत कई वर्षों से प्रकाशित हो रही है। फिजी सरकार का सूचना विभाग 'शंख' नामक पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है।
- मॉरिशस के अभिमन्यु अनन्त ने चौदह उपन्यास और लगभग दो सौ कहानियों की रचना की है। इनके उपन्यासों में लाल पसीना (1977) सर्वश्रेष्ठ है। अभिमन्यु अनन्त को मॉरिशस का प्रेमचन्द कहा जाता है।

- सवेरा (वर्ष 1976), धरती मेरी माता (वर्ष 1978), करवट (वर्ष 1979) आदि उपन्यास और इन्सान जाग उठा (वर्ष 1959) फिजी में जोगिन्दर सिंह कम्बल को फिजी का प्रेमचन्द कहा जाता है। इन्होंने देखो वे दीप (वर्ष 1960), आजादी की किरणें (वर्ष 1970), हीर राँझा (वर्ष 1971) आदि श्रेष्ठ नाटकों की रचना की है।

विश्व हिन्दी सम्मेलन

- विश्व हिन्दी सम्मेलन हिन्दी भाषा का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन है जिसमें विश्व भर के हिन्दी विद्वान्, साहित्यकार, पत्रकार, भाषा विज्ञानी, विषय विशेषज्ञ तथा साहित्य प्रेमी जुटते हैं।
- विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की भाषाओं में हिन्दी को स्थान दिलाना और हिन्दी का प्रचार-प्रसार करना है।
- अब तक निम्नलिखित सम्मेलन सम्पन्न हुए हैं

क्रम	दिनांक	आयोजन-स्थल
पहला	10-14 जनवरी, 1975	नागपुर (भारत)
दूसरा	28-30 अगस्त, 1976	पोर्ट लुई (मॉरिशस)
तीसरा	28-30 अक्टूबर, 1983	नई दिल्ली (भारत)
चौथा	02-04 दिसम्बर, 1993	पोर्ट लुई (मॉरिशस)
पाँचवाँ	04-08 अप्रैल, 1996	पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)
छठा	14-18 सितम्बर, 1999	लन्दन (ब्रिटेन)
सातवाँ	05-09 जून, 2003	पारामारिबो (सूरीनाम)
आठवाँ	13-15 जुलाई, 2007	न्यूयॉर्क (अमेरिका)
नौवाँ	22-24 सितम्बर, 2012	जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
दसवाँ	10-12 सितम्बर, 2015	भोपाल (भारत)
ग्यारहवाँ	18-20 अगस्त 2018	पोर्ट लुईस (मॉरिशस)
बारहवाँ	2021 (प्रस्तावित)	देवास, मध्य प्रदेश (भारत)

मध्यान्तर प्रश्नावली

- हिन्दी को राजभाषा बनाने का विचार सर्वप्रथम कहाँ उद्भूत हुआ?
(a) कलकत्ता (b) बंगाल (c) उत्तर प्रदेश (d) नई दिल्ली
- राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(a) गोपाल स्वामी आर्यंगर (b) पं. मदनमोहन मालवीय
(c) डॉ. भीमराव अम्बेडकर (d) बाल गंगाधर खरे
- साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की स्थापना किस वर्ष हुई?
(a) वर्ष 1947 (b) वर्ष 1953 (c) वर्ष 1954 (d) वर्ष 1957
- 92वें संशोधन के अन्तर्गत अष्टम अनुसूची में किस भाषा को सम्मिलित किया गया?
(a) डोगरी (b) मैथिली (c) बोडो (d) ये सभी
- देवनागरी लिपि लिखी जाती है
(a) बायीं ओर से दायीं ओर (b) दायीं ओर से बायीं ओर
(c) मध्य से बायीं ओर (d) मध्य से दायीं ओर
- लिपि सुधार समिति का गठन किसने किया?
(a) श्यामसुन्दर दास (b) श्रीनिवास दास
(c) महादेव गोविन्द रानाडे (d) नरेन्द्र देव
- भारतीय हिन्दी परिषद् की स्थापना किसकी अध्यक्षता में हुई?
(a) काका कालेकर (b) डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
(c) जी. बी. पंत (d) सुनीति कुमार चटर्जी
- विश्व हिन्दी दिवस कब मनाया जाता है?
(a) 10 जनवरी (b) 14 नवम्बर (c) 10 फरवरी (d) 14 सितम्बर

उत्तरमाला

- (b)
- (d)
- (c)
- (d)
- (a)
- (c)
- (b)
- (a)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

- हिन्दी के उद्भव का सही क्रम है
(a) पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट (b) प्राकृत, पालि, अवहट्ट, अपभ्रंश
(c) अपभ्रंश, प्राकृत, अवहट्ट, पालि (d) अवहट्ट, प्राकृत, पालि, अपभ्रंश
- अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा है?
(a) ग्रियर्सन (b) श्यामसुन्दर दास
(c) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (d) भारतेन्दु
- साहित्यिक अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी किसने कहा था?
(UGC Net/JRF-2010)
(a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) शिवसिंह सेंगर (d) राहुल सांकृत्यायन
- अपभ्रंश की उत्तरकालीन अवस्था का नाम है
(a) पालि (b) प्राकृत
(c) संस्कृत (d) अवहट्ट
- शौरसेनी अपभ्रंश से किस उपभाषा का विकास हुआ?
(a) बिहारी (b) राजस्थानी (c) बांग्ला (d) पंजाबी
- अपभ्रंश और पुरानी हिन्दी के मध्य का समय कहा जाता है
(a) उत्कर्ष काल (b) अवसान काल
(c) संक्रान्ति काल (d) प्राकृत काल
- चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने किसको पुरानी हिन्दी का प्रथम कवि माना है?
(a) सरहपाद (b) स्वयंभू (TGT परीक्षा 2003)
(c) राजामुंज (d) पुष्पदन्त
- अपभ्रंश को 'प्राकृताभास' हिन्दी किसने कहा है?
(a) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (b) राहुल सांकृत्यायन
(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) हजारीप्रसाद द्विवेदी
- 'पंजाबी' का विकास अपभ्रंश के किस रूप से हुआ है?
(a) महाराष्ट्री (b) मागधी (c) ब्राह्मि (d) पैशाची

10. बिहारी, बांग्ला, उड़िया और असमिया भाषाओं का उद्भव किस अपभ्रंश से हुआ है?

- (a) मागधी (b) अर्द्धमागधी (c) पैशाची (d) शौरसेनी

11. अर्द्धमागधी अपभ्रंश से किसका विकास हुआ है?

- (a) पश्चिमी हिन्दी (b) पूर्वी हिन्दी
(c) मराठी (d) गुजराती

12. सुमेलित कीजिए

सूची I	सूची II
A. शौरसेनी	1. पूर्वी हिन्दी
B. पैशाची	2. असमिया
C. मागधी	3. लहँदा
D. अर्द्धमागधी	4. राजस्थानी
	5. सिन्धी

कूट

- | | |
|-------------|-------------|
| A B C D | A B C D |
| (a) 1 2 3 4 | (b) 4 3 2 1 |
| (c) 5 1 4 2 | (d) 2 4 1 3 |

13. शौरसेनी अपभ्रंश से उत्पन्न भाषाएँ हैं

- (a) ब्रजभाषा, अवधी, कुमाऊँनी और गढ़वाली
(b) पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी और गुजराती
(c) बिहारी, बांग्ला, उड़िया और असमिया
(d) लहँदा, पंजाबी, गुजराती और मराठी

14. सिन्धी भाषा का उद्भव हुआ है (UGC Net/JRF 2013)

- (a) ब्राह्म अपभ्रंश से (b) पैशाची अपभ्रंश से
(c) मागधी अपभ्रंश से (d) शौरसेनी अपभ्रंश से

15. 'दोहा' (दूहा) मूलतः किस भाषा का छन्द है? (UGC Net/JRF 2015)

- (a) प्राकृत (b) अपभ्रंश (c) हिन्दी (d) संस्कृत

16. भारतीय आर्य भाषाओं का विकास किस भाषा से हुआ है? (CGPSC Pre 2015)

- (a) मगधी (b) पालि (c) अपभ्रंश (d) शौरसेनी

17. हिन्दी शब्द किस भाषा से लिया गया है?

- (a) संस्कृत (b) फ़ारसी (c) हिन्दी (d) अरबी

18. मध्यकालीन अरबी तथा फ़ारसी साहित्य में भारत की भाषाओं के लिए किस शब्द का प्रयोग मिलता है?

- (a) रेखा (b) दूहा (c) जबान-ए-हिन्दी (d) हिन्दी

19. 'खालिकबारी' किसकी रचना है? (UGC Net/JRF 2009)

- (a) खालिक खलक (b) रहीम
(c) अमीर खुसरो (d) अकबर

20. निम्नलिखित में से कौन-सी द्रविड़ परिवार की भाषा है?

- (a) उड़िया (b) बांग्ला (c) असमिया (d) कन्नड़

21. खड़ी बोली हिन्दी में सर्वप्रथम रचना करने वाले कवि का नाम है (TGT परीक्षा 2001)

- (a) जायसी (b) अमीर खुसरो (c) विद्यापति (d) भारतेन्दु

22. शकुन्तला नाटक का खड़ी बोली में अनुवाद किसने किया? (TGT परीक्षा 2004)

- (a) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' (b) राजा लक्ष्मण सिंह
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) गिरिधर दास

23. खड़ी बोली कहाँ बोली जाती है? (UGC/JRF 2006)

- (a) झाँसी (b) कानपुर (c) मेरठ (d) अलीगढ़

24. खड़ी बोली के लिए सुनीति कुमार चटर्जी ने किस शब्द का प्रयोग किया है?

- (a) जनपदीय हिन्दुस्तानी (b) वर्नाक्युलर हिन्दुस्तानी
(c) कौरवी (d) रेखा

25. खड़ी बोली का प्रयोग सबसे पहले किस पुस्तक में हुआ?

- (a) भक्तिसागर (b) सुखसागर (c) काव्यसागर (d) प्रेमसागर

26. निम्नलिखित में से कौन-सा लेखक भारतेन्दु-मण्डल का नहीं है?

- (a) प्रताप नारायण मिश्र (b) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(c) बालकृष्ण भट्ट (d) राजा लक्ष्मण सिंह

27. महावीर प्रसाद द्विवेदी को किस वर्ष 'सरस्वती पत्रिका' के सम्पादक के रूप में नियुक्त किया गया?

- (a) वर्ष 1900 (b) वर्ष 1903 (c) वर्ष 1906 (d) वर्ष 1909

28. नागरी प्रचारिणी सभा का स्थापना वर्ष है (UGC Net/JRF 2009)

- (a) वर्ष 1893 (b) वर्ष 1857 (c) वर्ष 1902 (d) वर्ष 1917

29. नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में थे (UGC Net/JRF 2008)

- (a) शिवकुमार सिंह और बाबू श्यामसुन्दर दास
(b) रामचन्द्र शुक्ल और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(c) पं. प्रतापनारायण मिश्र और बालकृष्ण भट्ट
(d) जगन्नाथ दास रत्नाकर और शिवप्रसाद गुप्त

30. काशीनागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में कौन नहीं है?

- (a) बाबू श्यामसुन्दर दास (b) ठा. शिवकुमार सिंह
(c) रामनारायण मिश्र (d) रामचन्द्र शुक्ल

31. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना कब हुई? (UGC Net/JRF 2014)

- (a) 1801 ई. (b) 1810 ई. (c) 1800 ई. (d) 1802 ई.

32. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना कहाँ हुई?

- (a) लखनऊ (b) हैदराबाद (c) दिल्ली (d) कलकत्ता

33. हिन्दी की 'उपभाषाएँ' कितनी हैं?

- (a) तीन (b) चार (c) पाँच (d) छः

34. 'अवधी' का उद्भव किस अपभ्रंश से हुआ है? (UGC Net/JRF 2014)

- (a) शौरसेनी (b) पैशाची (c) मागधी (d) अर्द्धमागधी

35. इनमें कौन-सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है? (UGC Net/JRF 2009)

- (a) अवधी (b) बिहारी (c) बघेली (d) छत्तीसगढ़

36. पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है

- (a) कौरवी (b) हरियाणी (c) अवधी (d) बुन्देली

37. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों की संख्या है

- (a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच

38. पूर्वी हिन्दी की बोलियाँ हैं

- (a) अवधी, बघेली एवं छत्तीसगढ़ी (b) ब्रज, अवधी और कन्नौजी
(c) भोजपुरी, बघेली, छत्तीसगढ़ी (d) मैथिली, ब्रज और कन्नौजी

39. भोजपुरी, मगही और मैथिली बोलियाँ किससे सम्बन्धित हैं?

- (a) पश्चिमी हिन्दी (b) पूर्वी हिन्दी
(c) बिहारी हिन्दी (d) राजस्थानी हिन्दी

40. गुड़गाँव, दिल्ली तथा करनाल के पश्चिमी क्षेत्रों में बोली जाने वाली 'अहीरवाटी' का सम्बन्ध किससे है?
 (a) पूर्वी राजस्थानी (b) पश्चिमी राजस्थानी
 (c) उत्तरी राजस्थानी (d) दक्षिणी राजस्थानी
41. 'मैथिली' में साहित्य सृजन करने वाला रचनाकार कौन है?
 (a) विद्यापति (b) भारतेन्दु
 (c) सरहपाद (d) अज्ञेय
42. पूर्वी राजस्थानी का एक अन्य नाम है
 (a) मेवाती (b) ढूँढाड़ी
 (c) मारवाड़ी (d) मालवी
43. निम्नलिखित में से किस बोली में कृष्ण काव्य और रीतिकालीन साहित्य का सृजन हुआ?
 (a) अवधी (b) भोजपुरी
 (c) ब्रजभाषा (d) कौरवी
44. गोस्वामी तुलसीदास की रचना 'कवितावली' किस भाषा की रचना है?
 (UGC Net/JRF 2012)
 (a) अवधी (b) ब्रजभाषा
 (c) मैथिली (d) बुन्देली
45. हिन्दी भाषा की कितनी विख्यात बोलियाँ हैं?
 (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)
 (a) दस (b) आठ
 (c) पाँच (d) चार
46. ब्रजभाषा का विकास किस अपभ्रंश से हुआ?
 (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)
 (a) पेशाची (b) मागधी
 (c) अर्द्ध-मागधी (d) शौरसेनी
47. छत्तीसगढ़ किस भाषा की बोली है?
 (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)
 (a) राजस्थानी (b) बिहारी
 (c) पूर्वी हिन्दी (d) पश्चिमी हिन्दी
48. 'खड़ी बोली' का दूसरा नाम है (KVS अध्यापक परीक्षा 2003)
 (a) मगही (b) कौरवी
 (c) हिन्दुस्तानी (d) बघेली
49. वाराणसी-गोरखपुर-आरा के मध्य कौन-सी भाषा बोली जाती है?
 (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2016)
 (a) अवधी (b) भोजपुरी
 (c) कौरवी (d) मैथिल
50. बघेली किस उपभाषा की बोली है? (उत्तराखण्ड 'समूह-ग' परीक्षा 2019)
 (a) पूर्वी हिन्दी की (b) पश्चिमी हिन्दी की
 (c) राजस्थानी की (d) बिहारी की
51. किस क्षेत्र की बोली को 'काशिका' कहा गया है?
 (UGC Net/JRF 2010)
 (a) बाँसवाड़ा (b) आरा-भोजपुर
 (c) बनारस (d) मगध
52. पश्चिमी हिन्दी किस अपभ्रंश से विकसित है? (UGC Net/JRF 2005)
 (a) प्राकृत (b) मागधी
 (c) शौरसेनी (d) अर्द्धमागधी
53. पश्चिमी हिन्दी की सर्वाधिक प्रमुख बोली इनमें से कौन-सी है?
 (TGT परीक्षा 2003)
 (a) ब्रजभाषा (b) खड़ी बोली
 (c) बुन्देली (d) बाँगरू
54. ब्रजभाषा किस अपभ्रंश से विकसित है? (UGC Net/JRF 2010)
 (a) शौरसेनी (b) मागधी
 (c) अर्द्धमागधी (d) पेशाची
55. 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखी गई?
 (KVS अध्यापक परीक्षा 2003)
 (a) ब्रज (b) भोजपुरी
 (c) अवधी (d) मागधी
56. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है
 (TGT परीक्षा 2004)
 (a) पूर्वी हिन्दी (b) पश्चिमी हिन्दी
 (c) पहाड़ी हिन्दी (d) राजस्थानी हिन्दी
57. 'मैथिली' का विकास किस अपभ्रंश से माना जाता है?
 (a) शौरसेनी अपभ्रंश (b) मागधी अपभ्रंश
 (c) अर्द्धमागधी अपभ्रंश (d) महाराष्ट्री अपभ्रंश
58. तुलसी कृत 'विनयपत्रिका' की भाषा है
 (a) अवधी (b) ब्रज
 (c) कन्नौजी (d) कौरवी
59. इनमें से किस बोली का बिहारी हिन्दी से सम्बन्ध नहीं है?
 (UGC Net/JRF 2015)
 (a) अवधी (b) मगही
 (c) भोजपुरी (d) मैथिली
60. निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती है?
 (UGC Net/JRF 2007)
 (a) अवधी (b) ब्रज
 (c) खड़ी बोली (d) मैथिली
61. बोली किसकी इकाई है? (MP सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2017)
 (a) भाषा की छोटी इकाई (b) अंचल की छोटी इकाई
 (c) राज्य की छोटी इकाई (d) देश की छोटी इकाई
62. 'विभाषा' किसे कहते हैं? (CGPSC 2017)
 (a) खड़ीबोली हिन्दी को
 (b) हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख बोलियों को
 (c) हिन्दी क्षेत्र की शेष बोलियों को
 (d) एक छोटे से क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा
 (e) उपरोक्त में से कोई नहीं
63. संविधान सभा में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव किसने रखा?
 (a) गोपाल स्वामी आयंगर (b) सरदार वल्लभ भाई पटेल
 (c) डॉ. भीमराव अम्बेडकर (d) पं. जवाहरलाल नेहरू
64. भारतीय संविधान में हिन्दी को मान्यता कब मिली?
 (a) 26 जनवरी, 1950 (b) 14 सितम्बर, 1949
 (c) 15 अगस्त, 1947 (d) 14 सितम्बर, 1955
65. भारतवर्ष के लिए हिन्दी भाषा का नाम सबसे पहले किसने सुझाया?
 (UPSSSC कनिष्ठ सहायक परीक्षा 2015)
 (a) राजा राममोहन राय (b) महात्मा गाँधी
 (c) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (d) मदनमोहन मालवीय
66. राजभाषा उस भाषा को कहते हैं जिस भाषा के द्वारा
 (MP सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2017)
 (a) किसी राज्य के प्रशासनिक कार्यों को सम्पन्न किया जाता है
 (b) किसी देश के विद्यालयों के प्रशासनिक कार्यों को सम्पन्न किया जाता है
 (c) किसी देश में व्यापार किया जाता है
 (d) किसी देश की जनता द्वारा अपना विचार-विनिमय किया जाता है

67. संविधान के किस अनुच्छेद में कहा गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी? (DSSSB असिस्टेंट टीचर 2015)
 (a) 343 (b) 344
 (c) 345 (d) 346
68. 'वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग' की स्थापना किस वर्ष हुई?
 (a) वर्ष 1961 (b) वर्ष 1960
 (c) वर्ष 1965 (d) वर्ष 1963
69. राष्ट्रभाषा किसका प्रतिनिधित्व करती है? (MP सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2017)
 (a) राष्ट्रभाषा केवल राज्य का प्रतिनिधित्व करती है
 (b) राष्ट्रभाषा सम्पूर्ण मानव का प्रतिनिधित्व करती है
 (c) राष्ट्रभाषा सम्पूर्ण राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करती है
 (d) राष्ट्रभाषा सम्पूर्ण राष्ट्र का प्रतिनिधित्व नहीं करती है
70. इनमें से कौन-सी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित नहीं है? (UKSSSC VDO 2015)
 (a) हिन्दी (b) नेपाली
 (c) राजस्थानी (d) गुजराती
71. भारतीय भाषाओं को भारतीय संविधान की किस अनुसूची में सम्मिलित किया गया है? (UGC Net/JRF 2006)
 (a) सप्तम (b) अष्टम
 (c) नवम (d) दशम
72. इनमें से किसको संविधान की अष्टम अनुसूची में सम्मिलित नहीं किया गया?
 (a) डोगरी (b) मैथिली
 (c) ब्रज (d) असमिया
73. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति किससे हुई? (UGC Net/JRF 2010)
 (a) खरोष्ठी (b) ब्राह्मी (c) पैशाची (d) कैथी
74. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि से हुआ?
 (a) शारदा लिपि (b) खरोष्ठी लिपि
 (c) कुटिल लिपि (d) ब्राह्मी लिपि
75. हिन्दी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?
 (a) देवनागरी (b) गुरुमुखी
 (c) ब्राह्मी (d) सौराष्ट्री
76. देवनागरी लिपि का विकास किस प्राचीन लिपि से हुआ है? (CGPSC Pre 2015)
 (a) ब्राह्मी (b) गुरुमुखी (c) शौरसेनी (d) अपभ्रंश
77. 'मौरिशस का प्रेमचन्द' किसे कहा जाता है?
 (a) हरिशंकर आदेश (b) रामदेव रघुवीर
 (c) अभिमन्यु अनन्त (d) हरिमानक
78. 'लाल पसीना' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
 (a) रामदेव रघुवीर (b) अभिमन्यु अनन्त
 (c) सूर्य प्रसाद वीरे (d) सहोदरा शिव
79. अण्डमान-निकोबार में शासन और शिक्षा की भाषा है (उत्तराखण्ड 'समूह-घ' परीक्षा 2019)
 (a) बंगाली (b) निकोबारी
 (c) हिन्दी (d) अण्डमानी
80. प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किस वर्ष किया गया था?
 (a) वर्ष 1970 (b) वर्ष 1972
 (c) वर्ष 1973 (d) वर्ष 1975

उत्तरमाला

1. (a)	2. (c)	3. (a)	4. (d)	5. (b)	6. (c)	7. (c)	8. (c)	9. (c)	10. (a)
11. (b)	12. (b)	13. (b)	14. (a)	15. (b)	16. (c)	17. (b)	18. (c)	19. (c)	20. (d)
21. (b)	22. (b)	23. (c)	24. (a)	25. (d)	26. (d)	27. (b)	28. (a)	29. (a)	30. (d)
31. (c)	32. (d)	33. (c)	34. (d)	35. (b)	36. (c)	37. (d)	38. (a)	39. (c)	40. (c)
41. (a)	42. (b)	43. (c)	44. (b)	45. (c)	46. (d)	47. (c)	48. (b)	49. (b)	50. (a)
51. (c)	52. (c)	53. (a)	54. (a)	55. (c)	56. (a)	57. (b)	58. (b)	59. (a)	60. (d)
61. (a)	62. (b)	63. (a)	64. (b)	65. (d)	66. (a)	67. (a)	68. (a)	69. (c)	70. (c)
71. (b)	72. (c)	73. (b)	74. (d)	75. (a)	76. (a)	77. (c)	78. (b)	79. (c)	80. (d)